>

Title: Need to take measures for development of Leh-Ladakh.

चौधरी लाल सिंह (उधमपुर): उपाध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने के लिये समय दिया, मैं उसके लिये आपका शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। मैं यह कहना चाहता हूं कि मैंने देखा है कि अर्जेंट मैटर का मकसद कहानी पढ़ने का नहीं होता है...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप बोलिये, आप कहानी क्यों बोल रहे हैं?

चौधरी लाल सिंह : मैं कहना चाहता हूं कि लद्दाख का मसला है। आप जानते हैं कि लद्दाख में जो त्रासदी हुई है, जिस तरीके से उस इलाके के हालात खराब हो गये हैं, हजारों लोगों का पता नहीं चल रहा है कि वे कहां हैं? हां या नहीं या मर गये हैं? हमने कभी सोचा नहीं था कि लद्दाख जोकि एक डैड डैजर्ट है और डैजर्ट में कभी बारिश होती नहीं। अगर होगी तो थोड़ी सी होगी। अचानक इतना बड़ा बादल गिरा...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप सरकार से क्या चाहते हैं, वह कहिये।

चौधरी लाल सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, अगर आप सुनेंगे तो मैं कह पाऊंगा। मैं आपके माध्यम से सरकार से यह कहना चाहता हूं कि सरकार ने मृत व्यक्ति के लिये एक एक लाख रुपया कंम्पनसेशन अनाऊंस किया है और कुछ तो ऐसे लोग हैं जिनकी पूरी फैमिली ही खत्म हो गई। यहां एक लाख रुपये की बात नहीं है लेकिन उन्हें आगे बचाने की बात है, उन्हें कैसे रिहैबिलिटेट करना है, वहां इनफ्रास्ट्रक्चर कैसे डेवलेप करना है? मैं आपसे कहना चाहता हूं कि अगर लद्दाख में ये सारी चीजें कर पायेंगे तो लद्दाख दुबारा बन पायेगा क्योंकि वह पूरा का पूरा उजड़ गया है। सारे देश को इसके लिये अफसोस है। मैं कहना चाहता हूं कि सरकार इस ओर जितनी मदद कर सकती है, ज्यादा से ज्यादा मदद करके मसला सार्ट-आऊट करे।

उपाध्यक्ष महोदय : चौ. लाल सिंह ने जो मामला उठाया है,

श्री मदन लाल शर्मा,

डा. राजन सुशान्त और

श्री अर्जुन राम मेघवाल के नाम एसोसिएट किये जायें।